ये अव्यक्त इशारे

एकता और विश्वास की विशेषता द्वारा सफलता सम्पन्न बनो

2-02-2026

किसी भी कार्य की सफलता की दो श्रेष्ठ भुजायें हैं: १- आपसी विश्वास और २- एकता। जहाँ संगठित रूप में सभी की एकमत है, आपस में एक दो के प्रति विश्वास है, वहाँ सफलता गले का हार है। संस्कार भिन्न-भिन्न हैं और रहेंगे भी लेकिन अगर कोई का संस्कार टकराने वाला है तो दूसरा ताली नहीं बजावे। हर एक अपने को चेंज कर ले तो एकता कायम रह सकती है।

With the speciality of unity and faith, become full of success.

There are two arms for the success of any task: 1) Faith in one another. 2) Unity. Where there is one direction for all in a collective way, where there is trust in one another, success is there as a garland around your neck. There are varieties of sanskars and they will remain, but if someone's sanskars are causing conflict, then the other person should not become party to that. Let each one change himself and there can then be unity all of the time.